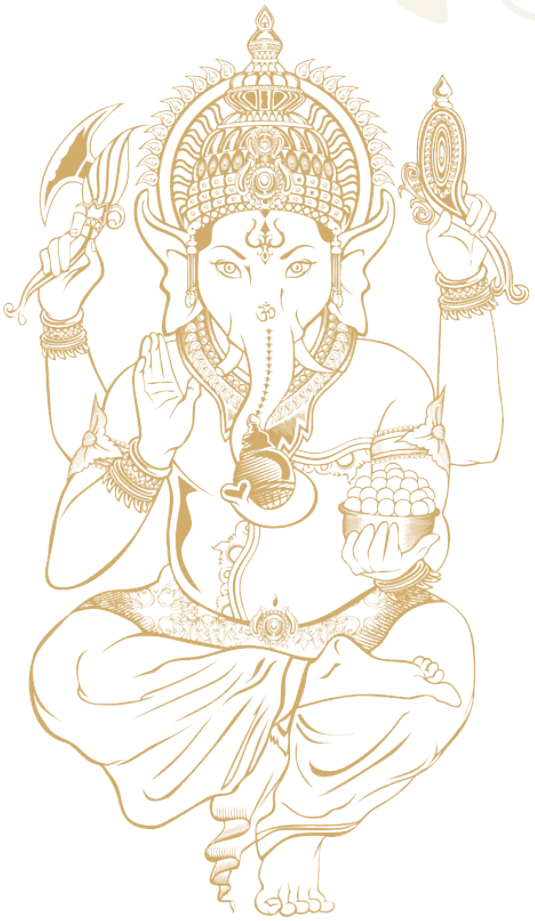

Fateh Singh

25 Aug 1984

07:00 AM

Kapurthala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121436602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/08/1984**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	02:30:16 घटी
स्थान	**Kapurthala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:20:00 उत्तर
रेखांश	75:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:31:44 घंटे
वेलान्तर	-00:02:03 घंटे
साम्पातिक काल	04:45:45 घंटे
सूर्योदय	05:59:53 घंटे
सूर्यास्त	19:00:10 घंटे
दिनमान	13:00:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:23:27 सिंह
लग्न के अंश	20:22:57 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:22:57	309:33:53	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	08:23:27	00:57:54	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	13:56:49	14:40:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	10:18:17	00:33:41	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व	अ	सिंह	15:01:00	00:51:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	09:31:32	00:00:56	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			सिंह	27:34:16	01:13:47	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			तुला	17:30:37	00:03:55	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		वृष	08:31:54	00:09:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	08:31:54	00:09:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	15:54:51	00:00:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप	व		धनु	05:04:58	00:00:30	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	06:16:50	00:01:30	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	19:14:06	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:19

लग्न-चलित

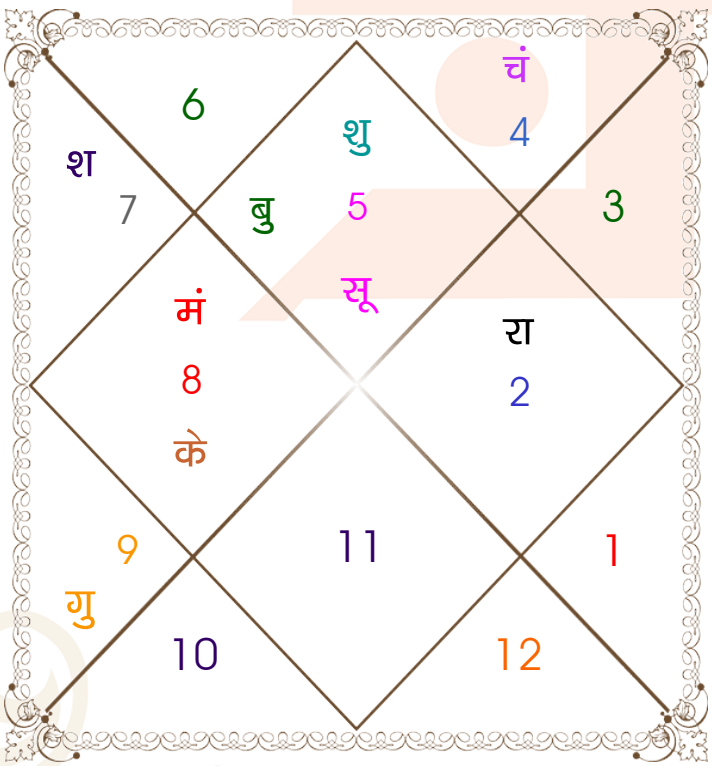

चन्द्र कुंडली

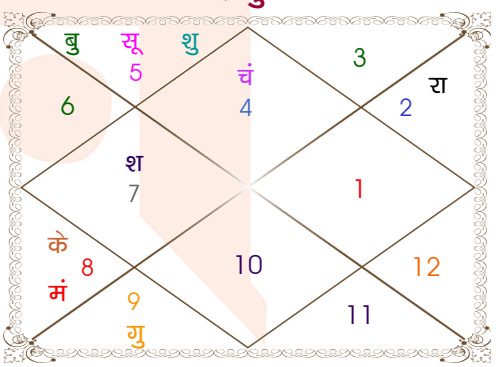

नवमांश कुंडली

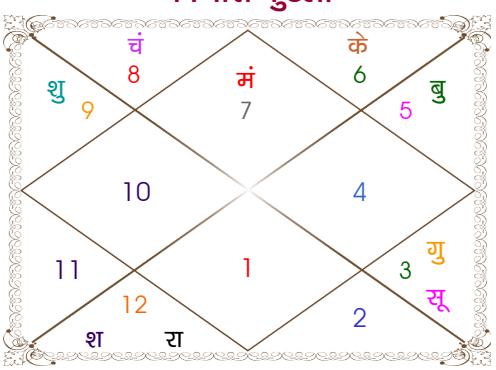

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 10 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/08/1984		10/07/1988		11/07/2005		10/07/2012		10/07/2032	
10/07/1988		11/07/2005		10/07/2012		10/07/2032		11/07/2038	
	00/00/0000	बुध	07/12/1990	केतु	07/12/2005	शुक्र	10/11/2015	सूर्य	28/10/2032
	00/00/0000	केतु	04/12/1991	शुक्र	06/02/2007	सूर्य	09/11/2016	चंद्र	29/04/2033
	00/00/0000	शुक्र	04/10/1994	सूर्य	14/06/2007	चंद्र	11/07/2018	मंगल	03/09/2033
	00/00/0000	सूर्य	10/08/1995	चंद्र	13/01/2008	मंगल	10/09/2019	राहु	29/07/2034
	00/00/0000	चंद्र	09/01/1997	मंगल	10/06/2008	राहु	10/09/2022	गुरु	17/05/2035
	00/00/0000	मंगल	06/01/1998	राहु	28/06/2009	गुरु	11/05/2025	शनि	28/04/2036
	25/08/1984	राहु	26/07/2000	गुरु	04/06/2010	शनि	10/07/2028	बुध	05/03/2037
राहु	28/12/1985	गुरु	31/10/2002	शनि	14/07/2011	बुध	11/05/2031	केतु	11/07/2037
गुरु	10/07/1988	शनि	11/07/2005	बुध	10/07/2012	केतु	10/07/2032	शुक्र	11/07/2038

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/07/2038		10/07/2048		11/07/2055		11/07/2073		11/07/2089	
10/07/2048		11/07/2055		11/07/2073		11/07/2089		00/00/0000	
चंद्र	11/05/2039	मंगल	06/12/2048	राहु	23/03/2058	गुरु	29/08/2075	शनि	13/07/2092
मंगल	10/12/2039	राहु	25/12/2049	गुरु	16/08/2060	शनि	11/03/2078	बुध	23/03/2095
राहु	10/06/2041	गुरु	01/12/2050	शनि	23/06/2063	बुध	16/06/2080	केतु	01/05/2096
गुरु	10/10/2042	शनि	10/01/2052	बुध	09/01/2066	केतु	23/05/2081	शुक्र	02/07/2099
शनि	10/05/2044	बुध	06/01/2053	केतु	28/01/2067	शुक्र	22/01/2084	सूर्य	14/06/2100
बुध	10/10/2045	केतु	04/06/2053	शुक्र	27/01/2070	सूर्य	09/11/2084	चंद्र	13/01/2102
केतु	11/05/2046	शुक्र	04/08/2054	सूर्य	22/12/2070	चंद्र	11/03/2086	मंगल	22/02/2103
शुक्र	10/01/2048	सूर्य	10/12/2054	चंद्र	22/06/2072	मंगल	15/02/2087	राहु	26/08/2104
सूर्य	10/07/2048	चंद्र	11/07/2055	मंगल	11/07/2073	राहु	11/07/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।